



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 942]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 30, 2007/श्रावण 8, 1929

No. 942]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 30, 2007/SRAVANA 8, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2007

सं. 19 (आरई-2007)/2004—2009

का.आ. 1304(अ).—यथासंशोधित विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 (19-4-2007 तक अद्यतन) में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. “अनिवार्यता (फोर्स मज्योरे) प्रावधान” से संबंधित पैराग्राफ 2.50 को हटा दिया गया है।

2. पैराग्राफ 3.8.6 के पहले वाक्य को निम्नलिखित प्रावधान से प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“सभी स्तर धारकों को कृषि निर्यातों (पैराग्राफ 3.8.2 के तहत पात्र लाभों सहित) के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत के बराबर ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्ट से प्रोत्साहित किया जाएगा जिसे कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि-संसाधन हेतु आधारभूत ढांचे से संबंधित पूँजीगत माल के शुल्क मुक्त आयात/प्रापण के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

3. पैराग्राफ 3.8.6 के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

यह अतिरिक्त लाभ वास्तविक प्रयोक्ता शर्त के अधीन होगा और इसलिए गैर-हस्तांतरणीय है।

4. पैराग्राफ 3.11.2 को निम्नलिखित पैराग्राफ से प्रतिस्थापित किया गया है :—

सभी देशों को मुक्त विदेशी मुद्रा में उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों (प्रक्रिया पुस्तक खण्ड-1 के परिशिष्ट 37ड में यथा अधिसूचित) का निर्यात शुल्क क्रेडिट स्क्रिप्ट हेतु पात्र होगा जो निम्नलिखित के बराबर होगा :—

(क) निर्यातों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 1.25 प्रतिशत; अथवा

(ख) पिछले वर्ष (अर्थात् 2006-07) की तुलना में चालू वर्ष (अर्थात् 2007-08) के लिए अधिसूचित उत्पादों के निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (बीआरसी/एफआईआरसी के अनुसार प्राप्त) में उत्तरोत्तर वृद्धि का 5 प्रतिशत और इसी प्रकार (सभी को साथ मिलाकर) बाद के प्रत्येक लाइसेंसिंग वर्ष के लिए।

निर्यातक उपर्युक्त (क) अथवा (ख) को चुन सकते हैं। तथापि, आधार वर्ष में ‘शून्य’ निर्यात करने वाले आवेदक पात्र नहीं होंगे।

5. एक नया पैरा 3.11.2.1 पैरा 3.11.2 के अंत में निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :

- 3.11.2.1 ईओयू/ईएचटीपी/वीटीपी द्वारा किया गया निर्यात, जो प्रत्यक्ष कर का लाभ/छूट प्राप्त नहीं कर रहे हैं, पात्र होंगे बशर्ते कि वे पैरा 3.11.4 के अंतर्गत न आते हों।
6. डीएफआईए योजना के तहत "पात्रता" से संबंधित पैरा 4.4.2 का तीसरा उप-पैरा निम्नलिखित पैरा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :
- निर्यात पूर्व प्राधिकार का वास्तविक प्रयोक्ता के शर्त सहित जारी किया जाएगा और मूल सीमा शुल्क अतिरिक्त सीमा शुल्क/उत्पाद शुल्क, शिक्षा कर, एंटी डम्पिंग ड्यूटी और सेफगार्ड ड्यूटी, यदि कोई हों तो के भुगतान से छूट प्राप्त होगा।
7. पैरा 4क.20.1 जोकि "कट और पॉलिशड बहुमूल्य और अर्ध बहुमूल्य पत्थरों के उपचार तथा पुनःआयात के लिए निर्यात" को निम्न रूप से संशोधित किया जाएगा :
- रत्न और आभूषणों के निर्यातकों को कट और पॉलिशड बहुमूल्य और अर्ध बहुमूल्य पत्थरों के उपचार और पुनःआयात सीमा शुल्क नियमों और विनियमों के अनुसार निर्यात अनुमत किया जाएगा।
8. पैरा 5.1क को संशोधित करके निम्न रूप से पठित किया जाएगा :
- वर्तमान प्लांट और मशीनरी के लिए स्पेयर्स (जिसमें रिफरविशड/रिकंडीशंड स्पेयर्स भी शामिल हैं) औजार, स्पेयर रिफ्रैक्टीज और कैटालिस्ट (जोकि ईपीसीजी या अन्य के अंतर्गत पहले आयात किया गया है) को आयातित वस्तु को अनुमत किया जाएगा बशर्ते कि प्राधिकार जारी करने की जारी तिथि से 8 सालों में बचाए गए शुल्क तथा 8 साल के भीतर निर्यात दायित्व को पूरा किया हो।
9. पैरा 8.3(क) में उल्लिखित शब्दों "वस्तुओं की पूर्ति के प्रति" को हटा दिया गया है।
- इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फा. सं. 01/94/180/पो.फार्म/ए एम 08/पी सी-1]

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2007

No. 19 (RE-2007)/2004—2009

S.O. 1304(E).—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy (FTP), 2004—2009, as amended, the Central Government hereby makes the following amendments in FTP, 2004—2009 (Updated as on 19-4-2007):

1. Paragraph 2.50 related to "Force Majeure clause" stands deleted.
2. First sentence of paragraph 3.8.6 shall be substituted by the following clause :
All Status holders shall be incentivised with duty credit scrip equal to 10% of FOB value of agricultural exports (including benefits entitled under paragraph 3.8.2) which can be used for duty free import/procurement of capital goods related to infrastructure meant for agro-processing to promote agricultural export.
3. At the end of paragraph 3.8.6, the following shall be added :
This additional benefit shall be subject to Actual user condition and hence non-transferable.
4. Paragraph 3.11.2 stands replaced by the following paragraph :
Exports of High Technology products (as notified in Appendix 37E of IIBP Vol. 1) in free foreign exchange to all countries, shall be entitled for Duty Credit Script equivalent to :
(a) 1.25% of FOB value of exports; or
(b) 5% of incremental growth in FOB value (realized as per BRC/FIRC) of exports of notified products for current year (i.e., 2007-08) over previous year (i.e., 2006-07) and similarly (all taken together) for each subsequent licensing year.

Exporter may opt for either (a) or (b) above. However, applicant with 'nil' exports in base year shall not be eligible.

5. A new paragraph 3.11.2.1 shall be added at the end of paragraph 3.11.2 as follows :
3.11.2.1 Exports made by EOUs/EHTPs/BTPs who do not avail direct tax benefits/exemption shall be eligible, provided the same is not covered under paragraph 3.11.4.
6. 3rd Sub-para of paragraph 4.4.2 related to "Entitlement" under DFIA scheme shall be replaced by the following paragraph :

Pre-export Authorisation shall be issued with actual user condition and shall be exempted from payment of basic customs duty, additional customs duty/Excise duty, education cess, anti-dumping duty and safeguard duty, if any.

7. Paragraph 4A.20.1 related to "Export of cut & polished precious and semi-precious stones for treatment and re-import" stands amended as follows :

Gems and jewellery exporters shall be allowed to export cut and polished precious and semi-precious stones for the treatment and re-import as per customs rules and regulations. In case of re-export, the exporter shall be entitled for duty drawback as per rules.

8. Paragraph 5.1A is amended to read as under :

Spares (including refurbished/reconditioned spares), tools, spare refractories and catalyst for existing plant and machinery (imported earlier, under EPCG or otherwise) shall be allowed to be imported subject to an export obligation equivalent to 8 times of duty saved to be fulfilled in 8 years reckoned from Authorisation issue date.

9. Words "Supply of goods against" appearing at paragraph 8.3(a) stand deleted.

This issues in public interest.

[F. No. 01/94/180/Pol Form/AM08/PC-I]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade and Ex-Officio Addl. Secy.